RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 अंक :192 28 जुलाई, 2021 मूल्य : 30/-प्रति

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

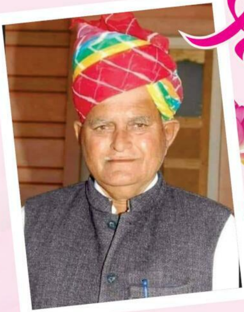

श्रीमान ऊँकार राम कच्छवाहा

(चेयरमैन, माली सैनी महासभा, जयपुर
अध्यक्ष, अखिल भारतीय माली सेनी
समाज सेवा सदन, पुष्कर)

इंजि. श्रीमान पुखराज सांखला

(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

समाज की दो महान विभूतियों के आकस्मिक निधन पर हम सभी परम पिता परमेश्वर से दोनों की आत्मा की शांति की प्रार्थना करते है, समाज के प्रति आप दोनों का निःस्वार्थ भाव से किया गया योगदान सदैव स्मरण किया जाएगा।

सादर नमन , विनम्र श्रद्धांजलि

माली सैनी सन्देश के 16वें वर्ष में प्रवेश करने पर सभी सदस्यों का हार्दिक आभार

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

संत शिरोमणि श्री लिखमिदासजी महाराज के वंशज

संत श्रीमान मोहनलाल सोलंकी

के निधन पर हार्दिक श्रद्धाजंलि अर्पित करते है।
परमपिता परमेश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान दें...

ॐ शांति ॐ शांति
सादर नमन, विनम्र श्रद्धांजलि

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 • अंक 192 • 28 जुलाई, 2021 • मूल्य : 30/-प्रति

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

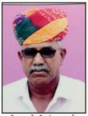
श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

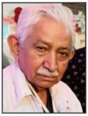
श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्री आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्री चन्द्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्री प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्री दीपकसिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

माली सैनी संदेश के माननीय संरक्षक बनने हेतु आप सादर आमन्त्रित है

संपादक की कलम से...

पत्रिका ने सफलता पूर्वक किया 16 वें वर्ष में प्रवेश....

राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी सूर्यनगरी जोधपुर से प्रकाशित हिन्दी मासिक समाचार पत्रिका माली सैनी संदेश ने समाज की सेवा के 15 वर्ष पूर्ण कर लिए है। आप सभी के लाड़ले समाचार पत्रिका के इस अंक से अपनी उम्र के 15 वर्ष पूर्ण कर 16वर्ष में प्रवेश कर रहा है तथा आप सभी के सहयोग से आज यह समाचार पत्रिका स्वजातीय बंधुओं की आंख का तारा बना हुआ है।

यह एक कटु सत्य है कि किसी भी सामाजिक पत्रिका की उम्र उसके पाठकों, सहयोगियों व लेखकों के, विज्ञापनदाताओं के व्यवहार, जिज्ञासा एवं अपनत्व पर निर्भर करती है। आप सभी जागरूक पाठक पत्रिका को समय समय पर तर्क-विर्तक, प्रतिक्रिया व सुझावों के जरिए संपादक मंडल का मार्गदर्शन करते रहे है। समाज बंधु विज्ञापनदाता विज्ञापन रूपी आहुति देकर समाचार पत्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूती प्रदान करते रहे है आर्थिक ईधन देते रहे है, तो ऐसी स्थिति में समाचार पत्रिका की उम्र के प्रति आशंकित रहने की जरूरत नहीं रह जाती है।

आप सभी के आशीर्वाद से आज पत्रिका देश के हर कोने में अपनी पहचान बना चुकी है। आज हजारों पाठकों का संसार पत्रिका के पास मौजूद है। यह सब आप सभी समाज बंधुओं द्वारा इस पत्रिका को समय समय पर दिये गए सहयोग के बलबूते पर ही फलीभूत हो सका है। चुंकि पत्रिका किसी व्यवसाय का नाम न होकर एक मिशन है इस लिए संपादक मण्डल ने इस समाचार पत्रिका का स्वरूप सामाजिक स्तर का ही बनाये रखा। इसमें ज्यादा से ज्यादा सामाजिक गतिविधियों के समाचारों को ही वरीयता देने का प्रयास किया गया ताकि पत्रिका समाज में आपसी सद्भाव, सद्विचार एवं विकास का नया वातावरण तैयार हो सके। आज किसी भी समाज में सामाजिक क्रांति लाने के लिए तीव्र गति से बड़े पैमानें में विचारों का आदान प्रदान और उन्हें अमल में लाने की जरूरत है। ऐसे में हमारी भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण समझी जाती है।

समाज में शिक्षा का अलख और विकास, विश्वास व जागृति के कार्यो में सहयोगी, समाज संगठनों में जागृति की भूमिका निभाना प्रत्येक समाचार पत्रिका का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। इस मामले में हमारी भूमिका कैसी रही यह आकलन आप को करना है। हम अपनी भूमिका, सामाजिक कर्तव्य एवं पाठकों की रूचि के प्रति सदैव सजग व जागरूक रहे है। नियमित रूप से प्रकाशित हो रहे प्रकाशन का हर अंक अपनी एक विशेष छटा लिए होता है।

आप सभी लेखकों, संवाददाताओं, विज्ञापनदाताओं का अटूट स्नेह, विश्वास और सानिध्य बरकरार है परिणाम स्वरूप समाज की प्रथम ई-पत्रिका (ऑन-लाईन पत्रिका) का श्रेय भी हमें ही मिला है। साथ ही समाज की प्रथम वेब-साईट का श्रेय भी हमें ही मिला है जिसमें समाज के इतिहास के साथ ही समाज की विभूतियों, संतों, पदाधिकारियों, प्रतिभाओं एवं युवाओं के अलावा समाज की धर्मशालाओं एवं अन्य अति महत्वपूर्ण जानकारियों को प्रथम बार ऑन लाईन सभी के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही समाज के इतिहास पुरूष महात्मा ज्योति बा फूले की संपूर्ण जीवनी की भी प्रथम हिंदी वेब-साईट आपके साथ ही अन्य सभी के लिए उपलब्ध कराई गई है। जिससे सभी महात्मा ज्योति बा फूले के जीवनी को पढ़ कर उनके द्वारा मानव हितार्थ किए गए कार्यो का जान सके व उनके द्वारा किए गए मानव हितार्थ कार्यो से सीख ले सके। हमनें आज की आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए समाज का प्रथम ऑनलाइन विवाय योग्य युवक युवति परिचय का भी आयोजन किया जिसमें देश विदेश के 1000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया और समाज के 50हजार लोगों ने इसे फेसबुक पर लाइव देखा। इस आयोजन के माध्यम से करीब 300 जोड़ों का वैवाहिक संबंध भी हुआ। कोरोना काल में परिचय सम्मेलन का आयोजन नहीं होने के कारण हमनें युवक युवती परिचय सम्मेलन पुस्तिका- 2021 का प्रकाशन भी जुलाई 2021 में कर समाज के परिजनों को घर बैठे योग्य वर वधु चुननें की सुविधा प्रदान कर अपना सामाजिक दायित्व निभाया है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि समाज के सभी वर्गो का सहयोग पूर्व की भांति हमें मिलता रहेगा। इसी मंगलकामनाओं के साथ पुन: आप सभी का हार्दिक आभार।

मनीष गहलोत
संपादक

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

मेरी राजनीतिक मुख्य सलाहकार पुखराज सांखला की कमी हमेशा खलेगी – मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

पुखराज सांखला के आकस्मिक निधन से समाज को हुई अपूरणीय क्षति

जोधपुर। माली संस्थान, जोधपुर के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्य अभियंता सिंचाई विभाग इंजि. पुखराज सांखला का निधन 74वर्ष की आयु में 15 जून को निधन हो गया जिससे माली समाज एवं क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

पुखराज सांखला के आकस्मिक निधन की खबर मिलने पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर दुख प्रकट करने के साथ परिवारजनों को फोन कर ढ़ाढस बंधाते हुए उनके कहा कि पुखराज जी मेरे राजनीतिक सलाहकार थे तथा हमेशा चुनावों में सक्रिय रहते हुए सहायता करते थे। गहलोत ने उनके निधन को समाज एवं स्वयं के लिए बड़ी क्षति बताते हुए दिवंगत आत्मा की चिर शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहन करने की ईश्वर से शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

समाज ही नहीं सर्व समाज के प्रबुद्धजनों ने पुखराज सांखला के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके द्वारा किए गए समाज हितार्थ कार्यो को याद किया। उनके निधन के पश्चात आयोजित तिये की बैठक में प्रदेश के सभी जिलों से जनप्रतिनिधियों आमजनों ने उन्हें पुष्पाजंलि अर्पित की।

राजस्थान क्रिकेट एसोसियेशन के चेयरमैन वैभव गहलोत ने पुखराज सांखला के निधन पर निवास पर जा उन्हें पुष्पाजंलि अर्पित कर उनके द्वारा उच्च शिक्षा के किए गए विशेष प्रयासों को याद करते हुए कहा पुखराज सांखला ने अपने परिवार से दो युवा आईएएस, आईआरएस दिए जो आज प्रदेश व देश के साथ विदेश में अपने कार्यो से देश की सेवा कर रहे है।

जीवन परिचय : जोधपुर जिले के मूलत: बिंजवाड़िया ग्राव में जन्में इंजिनियर पुखराज सांखला की प्रारम्भिक शिक्षा बिंजवाड़िया एवं मथानियां में हुई। आप घर से रोजना पैदल जा कर स्कूली शिक्षा प्राप्त की। उच्च शिक्षा हेतु जोधपुर की सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश लिया तदउपरांत उनके जीवन का नया सफर शुरू हुआ जिसका मुख्य श्रेय उनके माता पिता श्रीमती रामकंवरी बाई एवं बींजाराम सांखला को जाता है जिन्होंने स्वयं अनपढ़ होकर अपने पुत्र को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बी. ई. सिविल जोधपुर के एम. बी. एम. इंजिनियरिंग कॉलेज से 1974 में अपनी इंजिनियरिंग की डिग्री प्राप्त की एवं वह सार्वजनिक निर्माण विभाग में और फिर 1978 में सिंचाई विभाग में सहायक अभियंता के रूप में नियुक्ति प्राप्त की। अपनी ईमानदारी कार्यकुशलता के कारण 1998 में अधिशाषी अभियंता के पद पर पदोन्नत हुए।

अपने सरकारी नौकरी के साथ ही प्रांरभ से ही समाज के लिए एवं समाज के लोगों के लिए बढ़ चढ़ कर कार्य किए। आप जोधपुर माली समाज इंजिनियरिंग गिल्ड के संस्थापक सदस्यों में थे। श्री सुमेर स्कूल की प्रंबध कार्यकारिण के भी सदस्य रहे। जोधपुर के श्री भीकमदास परिहार छात्रावास के नये भवन का निर्माण प्रंबधक आप की देखरेख में हुआ तथा इसके लिए धन राशि इकट्ठा करने में भी आपकी सक्रिय भागीदारी रही। समाज की विभिन्न गतिविधियों में हमेशा सक्रिय भाग लिया। ग्रामीण परिवेश में विशेषकर तिंवरी मथानियां के 15 खेड़ों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने एवं सामाजिक कुरूतियों को समाप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा आपके प्रयासों से ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वर्गवासी व्यक्ति के 12वें के उठावणें के पश्चात होने वाले भोजन को बंद कराया गया। साथ ही शिक्षा के प्रति उनका रूझान हमेशा से सर्वोपरी रहा है जिसमें ग्रामीण परिवेश के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान कराने में उनका हमेशा याद किया जाएगा। इसी परिवेश में उन्होंने अपने परिवार एवं अपने समाज से जुड़े सभी विद्यार्थियों का सदैव साथ दिया एवं उनको प्रोत्साहित किया जिसमें सबसे बड़ा योगदान उनके द्वारा अपने परिवार के दो सदस्य को भारतीय प्रशासनिक सेवा में उच्च पद करने हेतु हर प्रकार से सहयोग किया। जिस कारण डॉ. पृथ्वीराज सांखला आईएएस एवं पारस सांखला आईआरएस पद पर देश सेवा कर समाज को गौरवान्वित कर रहे है।

अपनी गौरवपूर्ण सरकारी सेवा में चीफ इंजिनियर के पद से सेवानिवृत होने के पश्चात आपको माली संस्थान, जोधपुर के अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पद से आपके जीवन में नया अध्याय प्रारंभ हुआ आपका मुख्य सपना समाज को नया मुकाम हासिल कराना था। जिसके लिए आप आजीवन प्रयासरत रहे विभिन्न प्रकार की शारीरिक बिमारियों से भी आप अपने अद्म्य क्षमता से लड़ते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति से सदैव संघर्षरत रहते हुए आपने कई उपलब्धियां प्राप्त की।

अपने झुंझारू, सरल स्वभाव एवं मिलनसारिता के चलते सभी के प्रिय पुखराज सांखला लोकप्रिय रहे। सदैव पूर्ण इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि उनके द्वारा दिल्ली में यूपीएससी प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना के प्रयास करने के साथ ही समाज के योग्य छात्र–छात्राओं को वहां के सर्वश्रेष्ठ कोचिंग सेंटर में प्रवेश दिला वहां रहने हेतु हॉस्टल आरंभ किया। जहां समाज के अनेकों युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

आपने जोधपुर एम्स के सामने अरोग्य भवन स्थापना में भी मुख्य भूमिका निभाई जीवन के अंतिम पड़ाव तक आप सक्रियता से इस भवन में अति आधुनिक सुविधाओं के साथ बेजोड़ एवं श्रेष्ठ धर्मशाला के निर्माण के लिए कार्य कर रहे थे और यह भवन अब पूर्ण निर्माण की ओर है जिससे समाज के ग्रामीण परिवेश से आने वाले लोगों को श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हो सके।

यह उल्लेखनीय है कि पिछले 30 वर्षो से कैंसर एवं अन्य जटिल बिमारियां होने के बावजूद अपनी जीवटता से संतुलित सादा आहार एवं नियमित व्यायाम से इन सभी बिमारियों को लंबे समय तक नियंत्रित रखा।

आपके आस्मिक निधन से समाज को जो क्षति हुई है उसे पूरा नहीं किया जा सकता है हम सभी परम पिता परमेश्वर से आपकी आत्मा की चिर शांति के साथ प्रभु आपको अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और परिवार जनों को हुई असीम क्षति का सहन करने का साहस प्रदान करने की प्रार्थना करते है।

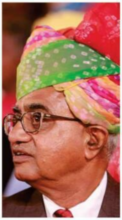

पुखराज जी साहब हम आपको नही भूल पाएंगे

पुखराज जी के निधन से मुझे व्यक्तिगत क्षति हुई है वो एक अभिभावक के रूप में हमेशा मुझे मार्गदर्शन देने के साथ ही समाज हित में अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करते थे।

यहां यह कहना आवश्यक है कि अगर कुछ तथाकथित समाज सेवी उनके समाज और संस्था हित के कार्यो में परेशानियां, अड़चन और खलल नही डालते तो वो टेंशन में नही रहते और सेवा और विकास के अनेकों नए आयाम स्थापित करते। अनेकों जटिल बीमारियों के बावजूद वो दृढ़ता से पिछले 3 सालों से शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत परेशान थे। जिस संस्था के अध्यक्ष थे वहां के पूर्व अध्यक्ष ने तो उनको पिछले कार्यकाल के हिसाब भी नही दिया था और अनेकों बार उन्होंने पत्र व्यवहार भी किया। नियम एवं असूलों के पक्के पुखराज जी किसी भी कीमत पर कार्य कुशलता एवं पारदृशिता के पक्षधर थे और गलत कार्यो और समाज अहित के कार्यो से समझोता नहीं करते थे।

एम्स के सामने बनने वाली धर्मशाला में कही भी नियमों और गुणवत्ता में समझौता नही क्या चाहे कोई कितना ही नाराज हुए उन्होंने परवाह नही की और अति आधुनिक भवन निर्माण के लिए श्रेष्ठ और टिकाऊ भवन के निर्माण हेतु कृत संकल्पित थे।

बहुत पीड़ा हो रही है समाज के कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार और कर्मशील विभूति आज हमारे बीच में नहीं है। उनके परिवारजन भी अनेकों बिमारियों से झुझने वाले पुखराज जी के कार्यो की अधिकता और अन्य तथाकथित लोगो के असहयोग के चलते उनको होने वाले मानसिक तनाव के चलते अनेकों बार सब छोड़ने का कहते थे लेकिन धुन के पक्के हमारे आदरणीय श्रीमान पुखराज जी साहब कहते एक बार जो कार्य हाथ मे लिया उसको वो पूरा करके ही दम लेंगे। यहाँ तक कि वो संस्था के हिसाब किताब लेनदेन का ब्यौरा की पारदर्शिता लाने के लिए सदैव प्रयासरत रहे और अनेकों अनियमितताओं को जांच परख कर उसे सही करने का भी किार्य किया यहां तक कि वो अपने पास अलग से एक नोटबुक में दैनिक लेन देन की एंट्री करते थे ताकि भविष्य में किसी प्रकार का आक्षेप नही लगे।

उनसे मिलकर हमेशा कुछ सीखने को मिलता था। हर समय हँसते हुए समाजहित में अच्छे कार्यो को करने के लिए प्रेरित करने वाले पॉजिटिव विचार के विरले पुखराज जी जैसे व्यक्तित्व का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। समाज के प्रशासनिक अधिकारियों को तैयार करने के लिए दिल्ली में आपके प्रयास सदैव याद रहेंगे। स्वयं आपने अपने भतीजे आईएएस डॉ पृथ्वीराज और पारस सांखला को आईआरएस बनाने में आपका पूरा मार्गदर्शन और योगदान रहा।

ऐसी महान आत्मा को सादर नमन। विनम्र श्रद्धाजंलि

दिवंगत मदन लाल सैनी की 78 वीं जयंती पर पुष्पांजलि

पौधा रोपण एवं सेनिटाईजर के साथ, मास्क वितरण किए गए

कोटा। स्वर्गीय श्री मदन लाल सैनी की 78 वी जयंती के अवसर पर कोरोना में अपनी जान गवाने वाले आर्थिक कमजोर परिवार के बच्चो को सुमन भारती स्कूल देगा नि:शुल्क शिक्षा। लोकतंत्र के सेनानी, कार्यकर्तानिष्ठ, सादगी की मूरत, किसान गरीबों के मसीहा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भाजपा राजस्थान, पूर्व राज्यसभा सांसद व विधायक दिवंगत श्री मदन लाल सैनी की 78वीं जयंती के अवसर पर 13 जुलाई 2021 को कोटा की छोटी समाध में प्रात: 11 बजे सर्वप्रथम उनके दामाद डॉ दुर्गा शंकर सैनी ने स्वर्गीय मदन लाल सैनी के चित्र पर माल्यर्पण कर दीपक प्रज्वलित और सभी ने पुष्पाजलि करने के साथ सभी को मास्क वितरण कर सभी को सेनिटाइज कर औषधीय पौधारोपण किया। इस अवसर पर स्वर्गीय मदन लाल सैनी के दामाद, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रदेश महासचिव आरिसदा डॉ दुर्गा शंकर सैनी ने संकल्प लिया कि परिवारजन उनके आदर्शों सिद्धान्तों को जीवन मे आत्मसात कर आमजन, कार्यकर्ताओ की सेवा कर राष्ट्र सेवा सर्वोपरि होगी यह हमारा संकल्प, धर्म और कर्तव्य है आधुनिक राजनीति में आदरणीय मदन लाल सैनी को उनकी सादगी, कर्तव्यपरायणता, भाजपा में शिखर पर पहुचकर भी एक कार्यकर्ता की तरह थैला लेकर चल पड़ते थे यह आधुनिक राजनीति में मिसाल व हमेशा हम सबके लिये प्रेरणादाता रहेंगे। इस अवसर पर अनेकों सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकत्ताओं ने मदनलाल सैनी के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। सैनी समाज के वरिष्ठ पुरुषोत्तम अजमेरा ने स्वर्गीय श्री मदन लाल सैनी की 78वीं जयंती पर घोषणा की की कोरोना के दौरान जिन परिवार में माता और पिता का आकस्मिक निधन हो चुका है उनके बच्चों को सुमन भारती स्कूल नि:शुल्क शिक्षा देगा और सैनी समाज के अन्य प्राइवेट विधालय को भी प्रेरित करेगा।इस अवसर पर पुरुषोतम अजमेरा, जगदीश मोहिल पूर्व पार्षद, राजेन्द्र सुमन, जीएसएस प्रदेश मीडिया प्रभारी, नरेंद्र मेघवाल, दीप चंद जैन, अवदेश अजमेरा, निरंजन अग्रवाल, कुलदीप सैनी (दामाद), मनीष (दामाद), बेटी शकुंतला सैनी, नातिन निष्ठा तंवर, भव्य तंवर गौरव, सौरव तंवर, सोनू कुमार, प्रियंवदा सहित अन्य परिवारजन, प्रबुदजन, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान माली सैनी महासभा चेयरमैन और अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन पुष्कर के अध्यक्ष के निधन से प्रदेशभर में शोक की लहर

समाज को एक सूत्र में बांधने वाले ऊँकार राम कच्छवाहा का हुआ निधन

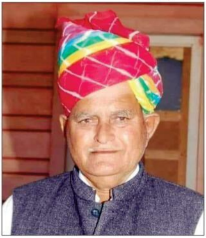

जोधपुर। राजस्थान माली सैनी महासभा चेयरमैन और अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन पुष्कर के अध्यक्ष ऊँकारराम कच्छवाह का लंबी बीमारी के पश्चात 26 जुलाई को निधन हो गया। आप काफी समय से अस्वस्थ थे और एम्स में इनका ईलाज चल रहा था।

उनके निधन की खबर सुनते ही प्रदेश भर में शोक की लहर छा गई। समाज के अनेकों प्रबुद्धजनों ने ऊँकारराम कच्छवाहा के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि समाज ने आज एक ऐसा समाजसेवी खोया है जो सदैव समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर चलने के लिए कार्य करते थे। अपनी कार्यकुशलता, मिलनसारिता के चलते पूरे राजस्थान में अपनी सादे पहनावे एवं सदैव साफा बांध कर ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक कुरूतियों को समाप्त करने एवं सामाजिक राजनीजिक जनजागृति के लिए माली सैनी महासभा के माध्यम से एवं अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन भवन पुष्कर के अध्यक्षीय कार्यकाल में अति आधुनिक धर्मशाला के निर्माण हेतु आपके द्वारा किए गए प्रयासों से ही आज पुष्कर धर्मशाला एक आलीशान भवन के रूप में देश भर में पहचाना जाता है।

आपके निधन पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत साहब बहुत दुख जताया और कहा कि हमने एक समाजसेवी एवं राजनीतिक खो दिया जिसकी पूर्ति असंभव है।

उनके निधन के पश्चात पैतृक गांव उंचियाड़ा, पीपाड़ सिटी में आयोजित श्रद्धांजलि सभा रखी गई इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता ताराचंद गहलोत ने शांति पाठ किया एवं 2 मिनट का सभी से मौन रखवाया राजस्थान के सभी समाज सेवी संस्थाओं के शोक संदेश पढ़कर सभी को सुनाएं और समिति के समस्त पदाधिकारियों ने अपने विचारों से स्वर्गीय ऊँकारराम कच्छवाहा को श्रद्धांजलि दी और इससे पूर्व सभी ने पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अपने विचारों से देने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल सांखला, अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन के संरक्षक सेवाराम दग्दी, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मांगीलाल पंवार, जोधपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी, जोधपुर नगर निगम उत्तर महापौर कुंती देवड़ा, प्रदेश महासभा के वरिष्ठ महामंत्री ओम राजोरिया, प्रदेश महासभा के सचिव बाबूलाल दोसा, पीपाड़ चेयरमैन नरेंद्र सिंह कच्छावाह सहित देश प्रदेश के प्रबुद्धजनों से पुष्पाजंलि अर्पित कर दिवगंत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

जीवन परिचय : ऊँकारराम कच्छवाहा का जन्म 15 अगस्त 1949 को उंचियाड़ा बेरा पीपाड़ शहर किसान परिवार मांगीलाल कच्छवाहा के यहां हुआ। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर जन्म लेने से आपकी मानसिकता व ह्रदय भी देश व समाज के प्रति अटूट विश्वास की भावनाओं से पूर्णतया प्रभावित रहा।

आपने प्रारंभिक से सैकण्डरी की शिक्षा पीपाड़ शहर से ही प्राप्त कर छात्र जीवन से ही अमूल्य सेवाएं समाज को समर्पित करते हुए राजस्थान डेयरी में अपनी सेवाएं देने लगे। साथ ही आप राजस्थान प्रदेश माली सैनी समाज की विभिन्न संस्थाओं में पदाधिकारी के रूप में भी कार्य करते रहे। समाज की प्रगति के हित में आपने देश, प्रदेश के सभी जिलों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सम्मेलनों में उपस्थित होकर, समाज के प्रति जागृति व चेतना की आवाज उठाई।

प्रदेश के कई जिलों में आपने समाज को संगठित करने एवं कुरूतियों को समाप्त करने में महत्ती भूमिका निभाई। आपकी हार्दिक इच्छा थी कि समाज के गांवो में निवास करने वाले लोगों में अशिक्षा के अंधकार को दूर कर, शिक्षा के प्रकाश में एक नई राह निर्मित करना है और आजीवन आप इसके लिए कार्यरत थे।

ऊँकार राम कच्छवाहा लगातार तीन बार अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन संस्थान पुष्कर के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए। कच्छवाहा के कार्यकाल में उनके अथक प्रयासों से पुष्कर संस्थान का सर्वागीण विकास हुआ है। उनके प्रयासों से पुष्कर धर्मशाला में अति आधुनिक सर्व सुविधा युक्त धर्मशाला बनीं जिसमें एसी रूम, हॉल एवं यात्रियों की गाड़ियों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई। उनके कार्यकाल में हुए विकास कार्य को समाज सदैव याद रखेगा। समाज के विकास एवं समाज सुधार में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। वह रात दिन समाज की उन्नति के लिए ही सोच रखते एवं प्रयासरत थे। राजस्थान ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों के समाजों में भी उनकी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में बहुत अच्छी पहचान और पेठ थी।

माली सैनी समाज सेवा संस्थान प्रदेशाध्यक्ष मनीष गहलोत ने बताया कि उनके निधन से समाज को एक बहुत बड़ी क्षति हुई है, जिसकी पूर्ति किया जाना संभव नहीं है किंतु ईश्वर के विधान के आगे हम सब विवश है। ऊँकारराम कच्छावाह मूलत: पीपाड़ शहर, जिला जोधपुर के रहने वाले थे। अभी काफी समय से वे जोधपुर में ही निवास कर रहे थे। उनके द्वारा एक बार जोधपुर जिले की बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय के रूप में विधायक प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़कर, करीब बीस हजार मत प्राप्त किये थे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष उनकी एक अच्छे कॉंग्रेसी नेता के रूप में पहचान थी। उनके एम्स हॉस्पिटल में उपचार के दौरान भी गहलोत द्वारा व्यक्तिगत रूप से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली गई थी।

संस्थान की ओर से संवेदना प्रकट करने वालों में ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय सचिव एवं माली सैनी समाज सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र सांखला, रामेश्वर गहलोत, जोधपुर जिलाध्यक्ष कुसुमलता गहलोत, योगाचार्य श्याम भाटी, जगदीश देवड़ा, वंदना परिहार, रेखा परिहार, पंकज सांखला, अर्जुन सिंह गहलोत, एडवोकेट सुभाष परिहार सहित संस्थान के सभी पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान देने के साथ ही परिजनों को यह असीम दुख सहन करने की ईश्वर शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

ऊँकार राम कच्छवाहा के निधन पर आयोजित की शोक सभा, पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

पुष्कर 31 जुलाई। अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन संस्था पुष्कर के अध्यक्ष एवं राजस्थान प्रदेश माली द्धसैनीऋ महासभा के चेयरमैन ऊँकार राम कच्छवाहा के निधन पर सेवा सदन पुष्कर में श्रद्धांजलि सभा रखी गई, जिसमें प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आये पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन के 9 वर्ष के उनके बेहतरीन कार्य, उनका व्यवहार तथा जीवनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी समाजजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके दिवगंत ऊँकार राम कच्छवाहा को श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि ऊँकार राम कच्छवाहा के निधन से समाज को बहुत बड़ी (अपूर्णनीय) क्षति हुई है, जिसकी भरपाई होना मुश्किल है। कच्छवाहा माली समाज के साथ-साथ अन्य समाजों के प्रति बहुत समर्पित थे। कच्छवाहा के कार्यकाल में उनके अथक प्रयासों से पुष्कर संस्थान का सर्वागीण विकास हुआ है। उनके कार्यकाल में हुए विकास कार्य को समाज सदैव याद रखेगा।

इस सभा में प्रेम राज सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष सेवाराम दगदी, बाबूलाल दगदी, रूपचंद मारोठिया, सत्यनारायण भाटी, भागचंद पंवार, गोपाल माली (पत्रकार), प्रदेश युवा अध्यक्ष धर्मेद्र टाक, अजय सैनी, मंगल प्रसाद चौहान, हनुमान सिंगोदिया, सरपंच सूरज दगदी, टीकम चौहान, सुखदेव मारोठिया, मुकेश अजमेरा, हेमराज सिसोदिया, मेवाराम जादम, कन्हैयालाल माली, भैरूलाल गोयल, धनराज गढ़वाल सहित समाज के सैकड़ों लोगों ने ऊँकार राम कच्छवाहा को श्रद्धा सुमन अर्पित करके अपने विचारों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के चेयरमैन

स्वर्गीय ऊँकार राम कच्छवाहा को श्रद्धांजलि अर्पित

जयपुर। राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा एवं महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 1 अगस्त 2021 रविवार को जयपुर स्थित संस्थान परिसर विद्याधर नगर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें स्वर्गीय ऊँकार राम कच्छवाहा चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इस मौके पर वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला व उनके सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में किए गए कार्यो का अनुसरण करने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में सभी वक्ताओं ने उनके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्य समाज को मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे। प्रदेश माली महासभा के महामंत्री भवानी शंकर माली ने कहा कि स्वर्गीय ऊँकार राम कच्छवाहा का जन्म 15 अगस्त 1949 को जोधपुर के पीपाड़ क्षेत्र के एक छोटे से कस्बे में हुआ था उनके पिताजी श्री मांगीलाल जी कच्छावा पीपाड़ नगर पालिका में कर्मचारी रहे हैं मांगीलाल जी के 3 पुत्र एवं दो पुत्रियों में सबसे बड़े स्वर्गीय ऊँकार राम कच्छवाहा थे। स्वर्गीय ऊँकार राम कच्छवाहा के 1 पुत्र कैलाश कच्छवाहा खेती किसानी व ठेकेदारी का कार्य करते है। स्वर्गीय कच्छवाहा ने पूरे प्रदेश में माली समाज को जागृत कर शिक्षा के क्षेत्र में अनेकों नेक कार्य किए। विगत 8 वर्ष पूर्व पुष्कर स्थित माली समाज की धर्मशाला का कार्य अपने हाथ में लिया और शिव मंदिर का जीर्णोद्वार करवाकर 55 एयर कंडीशन रूम व 5 हॉल का निर्माण करवाया। यह उल्लेखनीय कार्य समाज कभी भुला नहीं सकेगा। राजनीतिक क्षेत्र में उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ कर मारवाड़ क्षेत्र में माली समाज को जागृत करने का कार्य किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री जननायक अशोक गहलोत के लिए उन्होंने समाज को एकजुट कर गहलोत के हाथ मजबूत करने का काम किया था। श्रद्धांजलि सभा के इस मौके पर राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी फूल वाले, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अनुभव चंदेल एडवोकेट, अधिकारी कर्मचारी संस्था के अध्यक्ष राजूलाल सैनी, पूर्व अध्यक्ष हनुमान सैनी, बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन जुगल सैनी, महासभा के संरक्षक बिरदीचंद सिंगोदिया,संस्थान के मुख्यालय इंचार्ज ग्यारसी लाल सैनी, महासभा महामंत्री मुख्यालय एडवोकेट मनोज अजमेरा महामंत्री, सचिव बाबूलाल सैनी रजवास, उपाध्यक्ष बजरंग लाल पंवार, पार्षद बी एल मालाकार, पूर्व पार्षद शंकरलाल सैनी, कजोड़मल सैनी, संस्थान के महामंत्री पूनमचंद कच्छवाहा, चंदालाल सैनी, संतोष सैनी, बंशीधर सैनी युवा नेता, गुलाब चंद इंदौरा, हजारी लाल सैनी, शंकर लाल ठेकेदार, दिनेश सैनी, उद्यान समिति के चेयरमैन मुकेश सैनी, हनुमान सैनी, कन्हैया लाल सैनी, जयपुर माली सैनी समाज के अध्यक्ष रोशन सैनी, सीताराम सैनी एडवोकेट, सुशील सैनी, रमेश सैनी, लेखराज सैनी, विजेंदर जी तिलक, श्रीमती

संतोष सैनी शौर्य संस्था, श्रीमती लीला सैनी, तुलसीराम जी सैनी, संजय सैनी, रूपनारायण सैनी, लालचंद सैनी एडवोकेट, जितेंद्र सैनी, देवेन्द्र सैनी आईटी, सागर सैनी, वीरेंद्र सैनी, कल्याण सैनी, बनवारी लाल सैनी, बलवीर सैनी, राकेश माली सहित गणमान्य लोगों ने स्व ऊँकारराम कच्छवाहा काश्रद्धांजलि अर्पित की।

संत लिखमीदास जयंती व गुरु पूर्णिमा पर तीन दिवसीय समारोह आयोजित

271 वें जन्मोत्सव पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रहा भारी उत्साह 154 युवओं ने किया रक्तदान

नागौर। संत शिरोमणि श्रीलिखमीदासजी महाराज की जयंती व गुरु पूर्णिमा के तीन दिवसीय आयोजन का शुभारंभ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर से हुआ । सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान, हनुमान बाग चेनार रोड में आयोजित यह रक्तदान शिविर सवेरे 10 बजे प्रारंभ हुआ । अमरपुरा संस्थान के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत के निर्देश अनुसार तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए।

माली समाज के पूर्व सचिव रामनिवास सांखला हेड साहब की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित इस शिविर में प्रारंभ से ही युवाओं का भारी उत्साह नजर आया। अतिरिक्त जिला कलक्टर मनोज कुमार, उपखंड अधिकारी अमित चौधरी व खींवसर तहसील रूघाराम सैन के आतिथ्य में प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में माली समाज अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार, आरएएस अधिकारी शैलेन्द्र देवड़ा, अमरपुरा संस्थान के सहमंत्री हरीश चंद्र देवड़ा, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, पूर्व उपप्रधान आईदानराम भाटी व पाराम देवड़ा भी मंचस्थ अतिथि के रूप में सहभागी बनें।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंचस्थ अतिथियों द्वारा संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज का पूजन और वंदन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में एडीएम मनोज कुमार ने कहा कि रक्तदान अत्यंत पवित्र व श्रेष्ठ कार्य हैं। इस दृष्टि से सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद व शुभकामनाएं हैं। इस रक्तदान के द्वारा अन्य जनमानस व नागरिकों को भी प्रेरणा मिलती हैं। कार्यक्रम में पूर्व आरएएस अधिकारी चुन्नीलाल सैनी, डॉ शंकरलाल परिहार, रामदयाल सोलंकी, बालकिशन भाटी, रमेश सोलंकी, कार्यक्रम संयोजक डॉ रामस्वरूप सांखला, फूलचंद टाक पाराम गहलोत, शिवजीराम सांखला, नरेन्द्र पंवार, गोपीचंद, लायंस क्लब के ईश्वर सोनी, नीलू खड़लोया, रामेश्वर भाटी, महेश सांखला, गोविन्दराम सांखला, पाराम भाटी, पापालाल सांखला, धर्मेन्द्र सोलंकी, राधेश्याम टाक, मांगीलाल गहलोत, विमलेश समदड़िया, प्रमिल नाहटा, राजकुमार व्यास, पीएमओ डॉ शंकरलाल, डॉ. अर्जुन राम सांखला व रामचंद्र द्वारा रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया गया।

व्याख्याता राजेश देवड़ा के नेतृत्व में स्काउट गाइड टीम सदस्य हर्षुल पटेल, हिमांशी सोनी, गजराज कंवर तथा रामकुमार सोलंकी, राजाराम टाक, मनीराम सांखला, पन्नालाल सोलंकी, गजेसिंह सोलंकी, हुलास देवड़ा, रामनिवास कच्छवाहा ने शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया। जवाहरलाल नेहरू राजकीय जिला चिकित्सालय की ब्लड बैंक प्रभारी डॉ सुनीता सिंह आर्य के नेतृत्व में रामपाल गहलोत व धर्मवीर सिंह राठौड़ ने रक्त संग्रहण का कार्य किया । स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान वाले युवाओं में भारी उत्साह रहा जिन्होंने रक्तदान कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । कार्यक्रम में रामकुमार सांखला, सोहनलाल भाटी, सीताराम सांखला, दीपक गहलोत, हीरालाल सोलंकी, सुरेन्द्र, आशीष गहलोत जोधपुर सहित 154 बंधुओं द्वारा रक्तदान किया गया ।

शिविर में डॉक्टरों ने भी किया रक्तदान : इस शिविर में डॉ सुरेश भाटी, डॉ. अशोक कुमावत, डॉ. महेन्द्र चौधरी व डॉ शैलेंद्र लामरोड़ ने भी रक्तदान करके प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ रामस्वरूप सांखला की धर्मपत्नी प्रचेता श्री ने भी रक्तदान करके महिला शक्ति का परिचय दिया। अतिथियों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाताओं को पवित्र भाव से तुलसी पौधे भी पौधरोपण के लिए प्रदान किए। इसके साथ ही दुपट्टा पहनाकर, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न देकर के भी उनका सम्मान किया गया । अमरपुरा संस्थान के महामंत्री राधाकिशन तंवर ने बताया कि यह सारे कार्यक्रम कोविड-19 परिस्थितियों में सरकार की गाइडलाइन के अनुसार हुए।

सांखला परिवार जमासर, ताऊसर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में संत लिखमीदासजी महाराज सार्वजनिक पार्क में सौंदर्यकरण व पौधरोपण का कार्य हुआ :

संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज की जयंती व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत द्वितीय दिवस को पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। अमरपुरा संस्थान कार्यकारिणी सदस्य धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि अमरपुरा संस्थान के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत के निर्देशानुसार संत लिखमीदासजी महाराज पार्क ताऊसर में आयोजित यह कार्यक्रम पूर्व आरएएस अधिकारी चुन्नीलाल सैनी तथा संस्थान के सहमंत्री हरीश चंद्र देवड़ा के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर नागौर पंचायत समिति के पूर्व उप प्रधान आईदान राम भाटी, पाराम भाटी, अमरपुरा संस्थान के कोषाध्यक्ष कमल भाटी, मनीराम सांखला, बालकिशन भाटी, राजकुमार व्यास, महेश सांखला, रणजीत टाक, गोविन्दराम सांखला, डा. रामस्वरूप व गोपीचंद भी उपस्थित थे। पदाधिकारियों द्वारा इस अवसर पर पौधों का पूजन वंदन करके अर्जुन आदि विभिन्न किस्मों के पौधे लगाए गए। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान, नागौर के पूर्व मंत्री रामनिवास सांखला हेड साहब की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सांखला परिवार के सहयोग से यह पौधरोपण किया गया। इसी प्रकार जमासर स्थित मुक्तिधाम में भी पौधरोपण किया गया। सांखला परिवार जमासर, ताऊसर के सहयोग से आयोजित इस पौधरोपण कार्यक्रम में शिवजी राम सांखला, प्रेम राज, पूनमचंद भाटी, रामकुमार कच्छवाह, राजू टाक, मंछाराम, पांचाराम सोलंकी, श्रवणकुमार, रामकुमार कच्छवाहा, भीकमचंद व लाखाराम मिस्त्री सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे ।

गुरु पूर्णिमा तथा महाराज की जयन्ती के तीन दिवसीय कार्यक्रम इसी के साथ श्रद्धाभाव से संपन्न हुए:

जयंती दिवस पर प्रातः कालीन विशेष आरती का आयोजन किया गया जिसमें स्मारक स्थल पर पुष्प सजावट की गई । आरती पं. सूर्यकांत तिवारी द्वारा विधि विधान से संपन्न करवाई गई जिसमें जगदीश सोलंकी, पापालाल सोलंकी, धर्मेंद्र सोलंकी, रामनिवास सोलंकी, नाथूराम घोसलिया की विशेष उपस्थिति रही। स्मारक स्थल तथा

देव मंदिर को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। इस अवसर पर नागौर जिले सहित विभिन्न जिलों से भी इस अवसर पर जिले सहित विभिन्न जिलो से भी दर्शन व आरती दर्शन के निमित पधारें जिसमें पीलीबंगा, सांचोर, जालौर, डीडवाना, पाली, सोजत, खींवसर आदि विशेष रुप से शामिल रहे। अमरपुरा संस्थान के उपाध्यक्ष मोती बाबा फूले ने भी विशेष रूप से कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया। भोपालगढ़ से समाज बंधुओं का दल मोटरसाइकिल से दर्शन के निमित्त आया। इसके साथ ही 2 बसों में भी श्रद्धालुओं ने स्मारक स्थल पहुंचकर दर्शन लाभ प्राप्त किया। भोपालगढ़ से हीरालाल सोलंकी अध्यक्ष सैनी शिक्षण संस्थान भोपालगढ़ , नेमीचंद देवड़ा उपाध्यक्ष, गोबरराम, जीवन राम सोलंकी, कैलाश देवड़ा, नरसिंह भाटी, हेमसिंह सोलंकी, धनाराम सोलंकी, डूंगरराम सोलंकी, सुरेश कच्छवाहा, छोटाराम देवड़ा व कैलाश सांखला शामिल थे ।

संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज की जयंती पर अमरपुरा स्थित स्मारक स्थल पर रात्रि में सत्संग की गई। इस अवसर पर नागौर के प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश माली ने लिखमीदासजी महाराज के रचित अनेक भजनों के साथ-साथ अन्य भजनों को मनमोहक संगीत में प्रस्तुत किया। दिनेश माली द्वारा सर्वप्रथम गणपति वन्दना से कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया तथा उसके पश्चात गुरु महिमा का गान किया। गुरु लिखमीदासजी के प्रसिद्ध भजन साधु भाई बिना निवण कुण तिरिया तथा लिख दो मारे रोम रोम में रमापति आदि गाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसी प्रकार गैरी गैरी बिरखा भाया तथा नदिया रा नीर सांवरा रोक ने बताओ आदि भजन गाए। कोरोना गाइडलाइंस की पालना के निमित्त रात्रि में प्रतीकात्मक रूप से ही भजन गाकर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में रिदम पर कैलाश व मुकेश तथा संगीत पर ललित, झांझ पर गगन द्वारा संगत की गई व रामकिशोर जांगिड़ द्वारा ध्वनि व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर अमरपुरा संस्थान के उपाध्यक्ष मोती बाबा सांखला, लूणाराम सोलंकी, पारसमल परिहार, देवकिशन सोलंकी, कानाराम सांखला सहित अनेकों समाज बंधुओं ने भाग लिया।

इस प्रकार इस त्रिद्विवसीय जयंती समारोह में कोषाध्यक्ष कमल भाटी, सदस्य पारसमल परिहार, रामकुमार सोलंकी, मोहनसिंह भाटी, दीपक गहलोत, मांगीलाल गहलोत, पन्नालाल सोलंकी, बालकिशन भाटी, टीकमचंद कच्छवाहा,जगदीश सोलंकी बाड़मेर, राजेन्द्र माली सांचौर, जगदीश कच्छवाहा खींवसर, राधेश्याम टाक, कुलदीप परिहार, रामकुमार पंवार बाड़मेर, हरिकिशन भाटी, रूपचंद टाक सहित अनेक कार्यकर्ताओं द्वारा व्यवस्था में सहयोग किया गया । आयोजन के क्रम में यज्ञ भी विधि विधान से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं द्वारा यज्ञ कुंड की परिक्रमा भी करके समिधा भी समर्पित की गई।

जोधपुर में आयोजित रक्तदान शिविर में 61 यूनिट रक्त संग्रह : माली समाज के युवाओं द्वारा संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज के 271वें जन्मोत्सव पर माली संस्थान वृद्धाश्रम में आयोजित किए गए रक्तदान शिविर में 61 युवाओं ने रक्तदान किया। संस्थान के सचिव राधेश्याम तंवर ने बताया कि इस पावन अवसर पर जोधपुर राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, नगर निगम उत्तर महापौर श्रीमति कुंती देवड़ा, पूर्व जेडीए चेयरमैन राजेन्द्र सोलंकी, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र कच्छवाहा सहित समाज के प्रबुद्धजनों ने सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया। इसके पूर्व सभी आंगतुकों ने संत लिखमीदास जी महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर समाज के युवा पार्षद मुकेश गहलोत, मंयक गहलोत, भैरूसिंह परिहार, ओ. पी. भाटी के साथ ही भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र तंवर, युवा राजनेता आदित्य गहलोत, धमेन्द्र सांखला, बबलू सोलंकी, श्याम भाटी, वंदना परिहार, मीना सांखला, पंकज सांखला अरविंद कच्छवाहा, अरविंद परिहार, मानसिंह देवड़ा, अर्जुन सिंह गहलोत सहित अनेकों लोगों ने इस शिविर में सहयोग प्रदान किया।

संस्थान के उपाध्यक्ष मोतीलाल सांखला ने सभी का आभार प्रकट किया साथ ही समाज के वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर सिंह परिहार, जयंत सांखला सहित प्रबुद्धजनों ने संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर उपस्थित समाज बंधुओं का ज्ञानवर्धन किया।

समाज के युवाओं ने आरएएस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर समाज को किया गौरवान्वित

58वीं रैंक के साथ पृथ्वीराज परमार एवं 158वीं रैंक के साथ सुनीता ने सभी को चौंकाया

जयपुर। माली समाज के 25 युवाओं ने आरएएस चयन हो समाज को गौरवान्वित किया है। भीनमाल के पृथ्वीराज परमार ने 58वीं रैंक और नेवरी गांव की सुनीता सैनी ने प्रथम प्रयास में 158वीं रैंक से चयनित हो समाज को गौरवान्वित किया है। पृथ्वीराज परमार के पिता डॉ. प्रेमराज परमार भीनमाल में वर्षो से डाक्टर सेवा कर रहे है और समाज के प्रतिष्ठित लोगों में आपकी गिनती होती है। वहीं सुनीता सैनी के पिता तेजपाल सैनी का दिल्ली में व्यसयाय है मां ग्यारसी देवी नेवरी की पूर्व में सरपंच रही है। सुनीता ने स्कूल शिक्षा दिल्ली व बीटेक की पढ़ाई बीकानेर से की है। सुनीता के चयन पर समाज के सभी वर्गो ने बधाईयां प्रेषित करते हुए अभिनंदन किया। इस अवसर पर सैनी समाज युवा मोर्चा द्वारा तहसील अध्यक्ष एडवोकेट मोतीलाल सैनी के नेतृत्व में भारतीय सेवा के अधिकारी अर्जुन सैनी, मुकेश सैनी, डॉ. मंजू सैनी, दिनेश सैनी व संदीप सैनी ने सम्मान किया।

पृथ्वीराज परमार का अनेकों सामाजिक संस्थाओं द्वारा भीनमाल में स्वागत अभिनंदन किया गया। भीरू ग्रुप के सचिव भंवरलाल सोलंकी ने बताया कि उत्कर्ष के सीईओ निर्मल गहलोत द्वारा जोधपुर में उत्कर्ष के मुख्यालय में साफा, माला पहना पृथ्वीराज का बहुमान किया गया। इसी प्रकार पीपाड़ चौकड़ी निवासी किसान परिवार के नरसिंह टाक ने आरएएस में 182वीं रैंक से चयनित हो बता दिया कि प्रतिभा कभी हालात की मोहताज नहीं होती है। नरसिंह टाक ने अपनी विद्यालय स्तर की पढ़ाई गांव में सरकारी विद्यालय से की और बीएटीसी डिग्री करके कम उम्र में रिट ग्रेड तृतीय अध्यापक परीक्षा में उत्तीर्ण हो अपने ही गांव चोकड़ी कलां में खजुरिया की ढ़ाणी स्थित प्राथमिक विद्यालय में बतौर अध्यापक कार्य ग्रहण किया।

माली समाज भवन में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में नरसिंह टाक ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए समाज के सर्वागिण विकास के लिए शिक्षा को हर घर प्राथमिकता देने की बात कही। जिसे आने वाले समय में समाज को शिक्षा के क्षे में सफलता हासिल कर सभी क्षेत्रों में अग्रिम पंकि में लाकर खड़ा किया जा सके। युवा पीढ़ी को सही मार्गदर्शन मिलने पर वह जल्दी सफल हो सकता है।

इसी प्रकार तिवरी मथानियां के राधेश्याम परिहार ने 282वीं रैंक के साथ आरएएस में चयनित हो माता पिता के साथ समाज को गौरवान्वित किया है। राधेश्याम परिहार जोधपुर में उम्मेद अस्पताल में नृसिंगकर्मी है तथा साथ ही आरएएस की तैयारियां करते रहे और सफलता को प्राप्त किया। समाज के प्रबुद्धदनों के साथ ही गांव में सर्वसमाज ने राधेश्याम परिहार का बहुमान किया। इसी के साथ समाज के अनुप सैनी ने 212 वीं रैंक, अभिषेक चोबेदार ने 282वीं रैंक, महेन्द्र सैनी ने 279वीं, रूचि सैनी ने 285वीं रैंक, कर्मवीर सैनी ने 372वीं रैंक के साथ सफलता प्राप्त की। इसके अलावा आशीषलता, प्रेरणा कच्छवाहा, जितेन्द्र चौहान, अभिषेक सैनी, प्रेमसिंह सोलंकी, गणेशराम सैनी, मनीष परमार, राकेश कच्छवाहा, हर्षवर्धन सैनी, मुरालीलाल सैनी, भावना सांखला, विमलेश सैनी, अशोक सैनी विष्णुकांत सैनी, प्रतिभा सांखला ने भी सफलता प्राप्त कर समाज एवं परिवार को गौरवान्वित किया है।

नवचयनित प्रशासनिक अधिकारियों को माली सैनी सन्देश की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राधेश्याम परिहार

नरसिंह टाक

गणेशराम परमार

अभिषेक सैनी

कैलाश माली

कर्मवीर सैनी

अशोक माली

महेन्द्र सैनी

मनीष सैनी

नंदकिशोर सैनी

संजीव सैनी

विष्णुदत्त सैनी

प्रतिभा साँखला

आशीष लता सैनी

समाज गौरव स्वतंत्रा सैनानी पद्मश्री धर्मपाल सैनी

आइए जानते हैं, कौन हैं धर्मपाल सैनी, क्यों पूरी जिंदगी बस्तर में खपाने का धर्मपाल सैनी ने लिया फैसला

विनोबा भावे के शिष्य रहे धर्मपाल सैनी का बस्तर से नाता 1960 के दशक में जुड़ा था। उन्होंने यहां कि बेटियों की जिंदगी को बदलने का बीड़ा उठाया और आज भी अनवरत चल रहे हैं। मूलत: मध्यप्रदेश के धार जिले के रहने वाले धरमपाल सैनी विनोबा भावे के शिष्य रहे हैं। कहा जाता है कि 60 के दशक में सैनी ने एक अखबार में बस्तर की लड़कियों से जुड़ी एक खबर पढ़ी थी। खबर के अनुसार दशहरा के आयोजन से लौटते वक्त कुछ लड़कियों के साथ कुछ लड़के छेड़छाड़ कर रहे थे। लड़कियों ने उन लड़कों के हाथ-पैर काट कर उनकी हत्या कर दी थी। यह खबर उनके मन में घर कर गई। उन्होंने फैसला लिया कि वे बच्चियों की ऊर्जा को सही स्थान पर लगाएंगे और उन्हें प्रेरित करेंगे। वह लंबे समय से छत्तीसगढ़ के बस्तर में काम कर रहे हैं। उन्होंने बस्तर में बालिका शिक्षा की अलख जगाई है। सैनी जब बस्तर आए, तो लोग बालिकाओं को आश्रम भेजने को तैयार नहीं होते थे। मगर धीरे-धीरे लोगों में जागरूकता आई और आज अधिकांश बालिकाएं उनकी संस्था और अन्य स्कूलों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। उनकी संस्था में शिक्षा के साथ-साथ उन्हें विभिन्न खेलों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मूलत: मध्य प्रदेश के धार जिले के रहने वाले धरमपाल सैनी 60 के दशक में विनोबा भावे से अनुमति लेकर वे बस्तर आए और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में जुट गए। बस्तर में ताऊजी के नाम से विख्यात सैनी अब तक करीब 2300 खिलाड़ी तैयार कर चुके हैं। धर्मपाल सैनी स्वयं आगरा यूनिवर्सिटी से कामर्स ग्रेजुएट सैनी एथलीट रहे हैं। 1985 में पहली बार उनके आश्रम की छात्राओं ने खेल प्रतियोगिता में भाग लेना शुरू किया। उनके जगदलपुर स्थित डिमरापाल आश्रम में हजारों की संख्या में मेडल्स और ट्राफियां रखी हुई हैं। आश्रम की छात्राएं अब तक स्पोर्ट्स में ईनाम के रूप में 30 लाख से ज्यादा की राशि जीत चुकी हैं। बालिका शिक्षा में बेहतर योगदान के लिए 1992 में सैनी को पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया। वर्ष 2012 में द वीक मैगजीन ने सैनी को मैन आफ द इयर चुना था। सरकार ने कोबरा जवान राकेश्वर सिंह की रिहाई के लिए धर्मपाल सैनी और गोंडवाना समाज के तैलम बोरैया को मध्यस्थ बनाया है। 1960 में सैनी बस्तर आए और यहीं के होकर रह गए, उनके स्टूडेंट्स और स्थानीय लोग उन्हें ताऊजी कहकर बुलाते हैं।

विनोबा भावे ने इस शर्त पर सैनी को दी थी बस्तर जाने की अनुमति :

कहा जाता है कि धर्मपाल सैनी ने बस्तर जाने के लिए जब विनोबा भावे से परमिशन मांगी तो वे नहीं माने। हालांकि धर्मपाल सैनी की जिद के बाद उन्होंने अनुमति दी, लेकिन यह शर्त भी रखी कि वह कम से कम 10 बरस तक बस्तर में ही रहेंगे।

ताऊजी की पढ़ाई छात्राएं आज प्रशासनिक पदों पर, खूब है सम्मान:

आदिवासी इलाकों में साक्षरता को बढ़ाने में धर्मपाल सैनी का अहम योगदान माना जाता है।

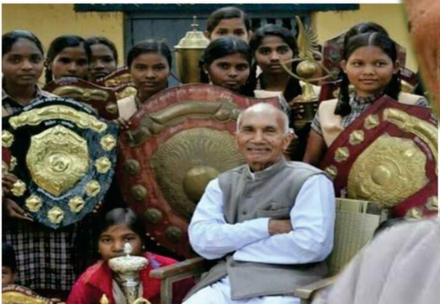

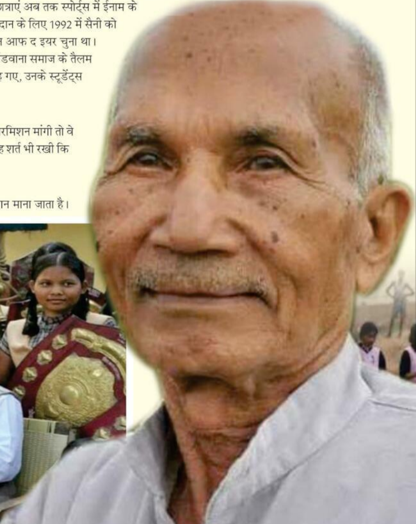

इसी के चलते उन्हें सरकार ने पद्मश्री से नवाजा था। सैनी के आने से पहले तक बस्तर में साक्षरता का ग्राफ 10 प्रतिशत भी नहीं था। जनवरी 2018 में ये बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया, जबकि आसपास के आदिवासी इलाकों का साक्षरता ग्राफ अब भी काफी पीछे है। बस्तर में शिक्षा की अलख जगाने के पीछे भी धर्मपाल सैनी की प्रेरणा काम करती है। उन के बस्तर आने से पहले तक आदिवासी लड़कियां स्कूल नहीं जाती थीं, वहीं आज बहुत सी पूर्व छात्राएं अहम प्रशासनिक पदों पर काम कर रही हैं। उनके विद्यालय की बच्चियां एथलीट, डॉक्टर और प्रशासनिक सेवाओं में जा चुकी हैं।

बालिका शिक्षा में इसी योगदान के लिए धर्मपाल सैनी को साल 1992 में पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था। 2012 में "द वीक" मैगजीन ने सैनी को मैन ऑफ द इयर चुना था। आज सैनीजी 92 साल के हैं धर्मपाल जी सैनी बस्तर में आदिवासी छात्राओं की शिक्षा के लिए माता रूकमणि आश्रम का संचालन करते है। साथ ही वो बूड़ा आंदोलन चलाने वाले विनोभा भावे जो स्वतंत्रा सेनानी थे, उनके आप शिष्य रह चुके हैं। इसके अलावा खेल के क्षेत्र में भी आपने उत्कृष्ट काम किया है।

हमें आप पर गर्व है आपने आदिवासी क्षेत्र में विशेषकर महिलाओं और छात्राओं की शिक्षा के साथ खेलकूद में सेवायें प्रदान कर महात्मा ज्योति बा फुले के कार्यो को आगे बढ़ाने का महान कार्य किया है। हम आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दिर्घायु जीवन की मंगल कामना करते है।

जानें, कौन हैं बस्तर के ताऊजी

जिनके प्रयासों से नक्सलियों के कब्जे से मुक्त हुए कमांडो राकेश्वर सिंह मन्हास

बीजापुर में कोबरा जवान राकेश्वर सिंह मन्हास को नक्सलियों के कब्जे से मुक्त कराने के लिए मध्यस्थ बने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पद्मश्री धर्मपाल सैनी एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। बीजापुर में रिहा किये गए जवान को सकुशल वापिस लाने के पीछे जो शख्स हैं, वह है 92 साल के युवा और बस्तर के ताऊ जी धर्मपाल सैनी। उन्हें बस्तर का गांधी कहा जाता है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके के जिन जंगलों में सरकारी लोग जाने से कतराते हैं और आए दिन सुरक्षा बलों और नक्सलियों की मुठभेड़ होती रहती है, वहां धर्मपाल सैनी एक सेतु की तरह हैं। वह अक्सर सरकार और नक्सलियों के बीच संवाद की राह बनाते हैं। उनके ही प्रयासों से बीजापुर में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान अगवा किए गए सीआरपीएफ कमांडो राकेश्वर सिंह मन्हास की रिहाई हो सकी है। राकेश्वर सिंह की रिहाई के बाद से ही 92 साल के धर्मपाल सैनी की चर्चा जोरों पर है। बस्तर के ताऊजी या फिर बस्तर के गांधी कहलाने वाले धर्मपाल सैनी को सरकार की ओर से पद्मश्री का सम्मान भी मिला है। 6 दशकों से बस्तर के लिए समर्पित धर्मपाल सैनी का आदिवासियों और नक्सलियों के बीच भी सम्मान है।

पद्श्री धर्मपाल सैनी द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य

- बस्तर में ताऊजी के नाम से विख्यात सैनी अब तक करीब 2300 खिलाड़ी तैयार कर चुके हैं।
- जगदलपुर स्थित डिमरापाल आश्रम में हजारों की संख्या में मेडल्स और ट्राफियां रखी हुई हैं।
- आश्रम की छात्राएं अब तक स्पोर्ट्स में ईनाम के रूप में 30 लाख से ज्यादा की राशि जीत चुकी हैं।
- वर्ष 2012 में द वीक मैगजीन ने सैनी को मैन आफ द इयर चुना था।
- उनके विद्यालय की बच्चियां एथलीट, डॉक्टर और प्रशासनिक सेवाओं में जा चुकी हैं।

सामूहिक विवाह में 9 जोड़ों ने लिए 7 फेरे संपन्न

कोटपूतली। सैनी सभा संस्था द्वारा संचालित सामूहिक विवाह समिति के तत्वाधान में सैनी (माली) समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन कस्बे के नागाजी की गौर स्थित एक मैरिज गार्डन में सम्पन्न हुआ। इस दौरान श्री भोमियां जी मंदिर के महंत श्री श्री 1008 श्री जानकीदास जी महाराज व श्री सीतारामदास जी महाराज के सानिध्य में 9 जोड़ों का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न किया गया। सम्मेलन की शुरूआत महात्मा ज्योतिबा फूले व मां सावित्री बाई फूले के चित्र के समक्ष मार्ल्यापण व द्वीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में गुरू पूजन के बाद भगवान श्री गणेश की स्थापना की गई।

समिति अध्यक्ष बबलू सैनी उपाध्यक्ष राम सिंह सैनी, संरक्षक रामनिवास, संरक्षक महेश कुमार सैनी, कोषाध्यक्ष कृष्ण कारोडिया, जन प्रमुख जगदीश खेमजी, चेयरमैन पुष्पा सैनी, दुर्गा प्रसाद सैनी एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व अध्यक्ष बिरदीचंद सैनी, पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद सैनी, थानागाजी चेयरमैन चौथमल सैनी, विराट नगर चेयरमैन, पूर्व पार्षद भीखाराम,पार्षद सुंदर सैनी, पार्षद प्रमोद सैनी, पूर्व पार्षद रामचंद्र सैनी वर वधु को आशीर्वाद देने आए।

जनता दल यू के रामनिवास यादव, भाजपा नेता मुकेश गोयल, समस्त सैनी समाज के अध्यापक व समाजसेवी वह समझ सैनी समाज कोटपूतली के कार्यकर्ता वह कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी व सदस्य वह स्थानीय विधायक के सहित आशीर्वाद दिया महात्मा ज्योतिबा फुले फोटो पर माला दीप जलाकर गुरु पूजन गणपति स्थापना के साथ विवाह कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। दूल्हों के विवाह स्थल पहुंचने पर तोरण की रस्म पूरी की गई। उसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जोड़ो ने सुखी दांपत्य जीवन के लिए अग्नि के साथ फेरे लिए। पाणिग्रहण में सात वचनों के बाद आठवां वचन कन्याभ्रूण हत्या रोककर बेटी बचाने की सीख देकर रक्षा का संकल्प दिलाया गया।

फेरो की रस्म के बाद नवदंपतियो को परिजनों और गणमान्य लोगो ने आशिर्वाद प्रदान किया। समिति के सचिव सत्यनाराण सैनी ने बताया की नवविवाहितो को नवदांपत्य जीवन में प्रवेश के लिए काम में आने वाला जरूरी साजो सामान भी मुहैया करवाया गया। समिति की और से कार्यक्रम में पधारने वाले सभी अतिथियो का साफा पहनाकर अभिनदंन किया गया। कार्यक्रम में सभी दूरदराज से आए सभी समाज बंधुओं का सैनी सभा संस्था व विवाह समिति के द्वारा अभिनंदन किया गया।

देवश्योनी ग्यारस पर 3 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

बांदीकुई। महात्मा ज्योतिबा फूले सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थान के तत्वावधान में सैनी समाज बांदीकुई का 10वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सैनी आदर्श कॉलेज के प्रांगण में कोरोना गाइड लाइन की पालना करते हुए संपन्न हुआ।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में अतिथि के रूप में सैनी समाज के जिला अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद सैनी लालसोट सहित सभी तहसीलों के तहसील अध्यक्ष, महात्मा ज्योति बा फूले संस्थान अध्यक्ष सहित सभी सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्ध समाज बंधुओं ने सम्मेलन में उपस्थित हो वर वधु को आशर्वाद प्रदान किया। जिला अध्यक्ष द्वारा समाज को संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन आज हर समाज की आवश्यकता है। आज महंगाई के युग में सामूहिक विवाह सम्मेलन से गरीब परिवारों को बेटे बेटियों के विवाह में होने वाली परेशानियों से राहत मिलती है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में वरिष्ठ समाज बंधुओं, व्यापारियों, उद्योगपतियों कर्मचारियों से निवेदन किया कि वह भी अपने बेटे बेटियों की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलनों में करें। जिससे समाज में समरसता का माहौल बने।

इसी के साथ जिला अध्यक्ष ने का कि अब एकजुटत होने का समय आ गया है। पीछे जो कुछ हुआ उसको भूलते हुए आगे बढ़ना होगा। सबकों संगठित रहकर संगठन को मजबूती प्रदान करनी होगी। जिससे हम शैक्षिक और राजनीतिक स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत कर सकें एवं सभी सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से आव्हान किया कि जितनी भी सरकारी योजनाएं गरीब परिवारों के उत्थान हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही है। उनकी जानकारी प्रत्येक घर तक पहुंचा कर पात्र परिवारों के सदस्यों को योजनाओं से जोड़कर अपने दायित्व का निर्वहन करें।

प्रेमसिंह परिहार बने माली संस्थान अध्यक्ष

जोधपुर। माली संस्थान के अध्यक्ष पुखराज सांखला के आकस्मिक निधन होने से माली संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष पद पर संस्थान की विशेष कार्यकारिणी की मिटिंग में माली संस्थान संविधान के नियमानुसार उपाध्यक्ष प्रेमसिंह परिहार को अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से नियुक्ति प्रदान की गई।

सादे समारोह में प्रेमसिंह परिहार ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण करने के पश्चात स्वर्गीय पुखराज सांखला के अधूरे रहे कार्यो को उनके आशा के अनुरूप शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों कार्यकारिणीयों सदस्यों के साथ ही समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

400 लगाए गए पौधे, पौधरोपण के भामाशाह को किया सम्मानित

सैनिक क्षत्रिय माली छात्रावास, नागौर में मनाया वन महोत्सव

नागौर। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान , नागौर के नवनिर्मित छात्रावास में वन महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर माली समाज के पदाधिकारियों व भामाशाहों द्वारा 400 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में पौधरोपण के भामाशाह बलदेव कच्छावा का सम्मान किया गया। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान , अमरपुरा नागौर के सहमंत्री हरीशचंद देवड़ा , नागौर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष जीवन मल भाटी , भंवरलाल तंवर , कृपाराम गहलोत के आतिथ्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता माली समाज के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार द्वारा की गई। इस अवसर पर माली संस्थान के उपाध्यक्ष रामजस भाटी , सहमंत्री देवकिशन भाटी, सदस्य रामबक्ष सांखला, रामेश्वर पंवार, कालूराम सोलंकी, रामपाल कच्छवाहा, इंद्रचंद कच्छवाहा, पार्षद भरत टाक, नागौर शहर माली समाज अध्यक्ष प्रेमसुख सांखला, कानाराम सांखला व हैदराबाद प्रवासी मिश्रीलाल सांखला, ओमप्रकाश पंवार, दिलीप सोलंकी तथा रामदयाल भाटी, नेमीचंद कच्छवाहा, हंसराज पंवार, आनंद सिंह कच्छवाहा, बंशीधर टाक, रामकुमार सांखला, दौलत भाटी, हरिराम गहलोत, सुगन चंद गहलोत, महेन्द्र भाटी, तुलसीराम भाटी सहित अनेक बंधुओं ने भी उपस्थित होकर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में हैदराबाद माली महिला मंडल की सदस्य अनीता सोलंकी, चंद्रकांता सांखला व इंदिरा टाक ने भी अपने कर कमलों से पौधे लगाए ।

माली संस्थान के मंत्री रामकुमार सोलंकी ने सबसे पहले अतिथियों का स्वागत भाषण करते हुए कार्यक्रम की पृष्ठभूमि रखी। कार्यक्रम में पौधरोपण उत्सव के निमित्त सहयोग करने पर दिनेश भाटी संखवास का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अपना संबोधन प्रदान करते हुए डॉ शंकर लाल परिहार ने कहा कि समाज में कर्मचारियों , भामाशाहों व पदाधिकारियों के अच्छे तालमेल से ही सामाजिक गतिविधियों का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न हो सकता है। उन्होंने समाज छात्रावास के भूमि आवंटन के निमित्त मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जीवणमल भाटी ने कहा कि समाज व्यापारिक क्षेत्र ठीक है लेकिन अभी शिक्षा के क्षेत्र में भी अधिक प्रगति व सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने समाज द्वारा पौधरोपण व पर्यावरण संरक्षण के कार्य को हाथ में लेने को सराहनीय कदम बताते हुए इसमें और अधिक बढ़ोतरी करने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए बालकिशन भाटी छात्रावास भवन की जानकारी देते हुए बताया कि इस दो मंजिला भवन में 6 विशाल कक्ष , कम्प्यूटर कक्ष, कार्यालय, अतिथि कक्ष व विविध सुविधाओं सहित 30 कमरे बालकों के आवास के निमित्त हैं। उन्होंने इस भवन का शीघ्र ही लोकार्पण करने के निमित्त समाज पदाधिकारियों द्वारा योजना बनाने का आग्रह किया ।

डॉ. साँखला की पुस्तक का जूएनवीयू कुलपति ने किया विमोचन

जोधपुर। जेएनवीयू के कुलपति पीसी त्रिवेदी ने लेखक लक्की इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के प्रचार्य डॉ. अर्जुन सिंह साँखला लिखित एक थी कठिनाई पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान जोधपुर संभाग के निजी कॉलेजों की समिति के अध्यक्ष शैतान सिंह चौधरी, सचिव विरेन्द्र माथुर कोषाध्यक्ष नरविक्रम सिंह तोमर एवं शिक्षाविद तथा जोधपुर में महिला महाविद्यालय की प्रचार्या मनोरमा उपस्थित थी।

लेखक एवं प्रेरक वक्ता एवं लक्की इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के प्राचार्य डॉ. अर्जुन सिंह साँखला ने बताया कि वे सोशल मीडिया पर युवाओं की प्रेरणा के लिए कई वर्षो से लिख रहे है। उनके किसी लेख को उत्कर्ष के निदेशक निर्मल गहलोत ने अपने उत्कर्ष सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक बार शेयर किया तो विद्यार्थियों ने उसे खूब पसंद किया। डॉ. अर्जन सिंह मृदु भाषी, व्यक्तित्व के धनी होने के साथ ही मोटिवेशनल गुरू है आपने अनेकों पुस्तकों का संपादन लेखन किया है और अपनी प्रतिभा के दम पर समाज के साथ ही हजारों विद्यार्थियों के चहेते है। हम आपके प्रकाशन पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते है समय समय पर आपका मार्गदर्शन हमें मिलता रहता है।

महात्मा ज्योति बा फूल सैनी कर्मचारी महासंघ का हुआ गठन

बीकानेर। माली समाज के समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों के हित के लिए महासभा का गठन गोगागेट स्थित माली समाज भवन में किया गया।

महासभा की अध्यक्षता अस्थाई रूप से राजेश सोलंकी ने की तथा लिखित कार्यवाही ओमप्रकाश भाटी ने की।

इस महासभा में सर्वसम्मति से महात्मा ज्योति बा फूले सैनी कर्मचारी महासंघ का गठन किया गया। कानूनी सलाहकार के रूप में बार कॉन्सिल एसोसिएशन बीकानेर के पूर्व अध्यक्ष किशनलाल साँखला को मनोनीत किया गया। इस दौरान अध्यक्ष सुरेन्द्र कच्छवाहा, सचिव पवन भाटी, कोषाध्यक्ष पूनमचंद गहलोत, महामंत्री जितेन्द्र गहलोत, संरक्षक राजेश सोलंकी, महेश सिंह तंवर, राजेन्द्र तंवर, प्रमोद गहलोत, प्रवीण गहलोत को चुना गया।

माली समाज की 395 प्रतिभाओं का जिला स्तरीय सम्मान कर आगे बढ़ने का दिया मंत्र

भीनमाल। माली समाज का 17वां जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मााान समारोह का आयोजन भीनमाल में क्षेमकरी माताजी मंदिर तलहटी माली समाज भवन में हुआ। प्रतिभा सम्मान के दौरान 395 प्रतिभााओं का सम्मान किया गया। संत श्री लिखमीदास सेवा संस्थान भीरू ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में रानीवाड़ा डिस्कॉम सहायक अभियंता भरत देवड़ा, सेवानिवृत अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश सोलंकी, नवचयनित आरएएस पृथ्वीराज परमार, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित श्रीमति गीता माली, अंजना माली, ममता व रूपेश सोलंकी समेत जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि मुकेश सोलंकी ने कहा कि वर्तमान समय शिक्षा का है। लोगों को शिक्षा के महत्व को समझना होगा। शिक्षा से ही व्यक्ति के चरित्र का निर्माण होगा। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से भी आव्हान किया कि वे बच्चों में नैतिकता व संस्कारों का बीजारोपण करें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की पूछ नहीं है, उसके काम व पद की पूछ है। विभिन्न उदाहरण देते हुए बताया कि सफलता के लिए युवा सोशल मीडिया का सदुपयोग करें। सोशल मीडिया पर मोटिवेशनल स्पीच सुनें, अपना ज्ञान बढ़ाएं। लेकिन गेम्स, चेटिंग व रिप्लाई करने में समय बर्बाद न करे। उन्होंने अभिभावकों से भी आव्हान किया कि जीवन का उद्देश्य पैसा कमाना ही नहीं रखे। बच्चों की शिक्षा व संस्कारों पर भी ध्यान दें। पैसा भी अवैध काम से नहीं, बल्कि मेहनत कर कमाएं। युवा तकनीकी शिक्षा के महत्व को समझें। वर्तमान समय तकनीकी शिक्षा का है। उन्होंने खेती में नवाचार करते हुए उन्नत खेती करने का भी आव्हान किया।

नवचयनित आरएएस पृथ्वीराज परमार ने जीवन में सफलता के लिए एकाग्रता व धैर्य की महत्ती आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के माध्यम से अच्छी जानकारी ही प्राप्त करें। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी मार्गदर्शन प्राप्त करें। डिस्कॉम के सहायक अभियंता भरत देवड़ा ने युवाओं से आव्हान किया कि लक्ष्य प्राप्ति पर ध्यान दे। जब तक लक्ष्य प्राप्त नहीं हो, तब तक चैन की नींद न सोए। जालोर नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष सीए नितिन सोलंकी ने युवाओं को मोबाइल से मसय बर्बाद नहीं करने की बात कही। अगर आप किसी मुकाम पर पहुंचते है तो लोग अपने आप आपको टैग करेंगे। शिक्षा से ही जीवन में सफलता मिलेगी। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका श्रीमति गीता ने बालिकाओं से आव्हान किया कि अगर पढ़ने की ललक हो तो हम किसी भी परिस्थितियों में पढ़ सकते है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि आठवीं के बाद पूरी पढाई प्राइवेट की, घरवालों व ससुराल के मनाही के बाद भी रात में नोट बना, दो किलोमीटर दूर पाली लेने जाने के दौरान ऊवा मटकी व हाथ में पर्ची रखते हुए तैयारी की। समारोह को व्याख्याता ममता राजेन्द्र कुमार, अंजना सोलंकी व समाजसेवी रूपचंद परिहार ने भी संबोधित किया।

संस्थान के सचिव भंवरलाल सोलंकी ने बताया कि समारोह में 395 प्रतिभाओं को स्कूल बैग, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इसके अलावा छह जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की गइ। कोषाध्यक्ष पारसमल सांखला ने अतिथियों व आगन्तुकों का आभार जताया।

समारोह का संचालन मीठालाल जागिड़ ने किया। इस मौके पर लालाराम परमार, भीमाराम सांखला, चौथाराम सुंदेशा जालोर, संस्थान के अध्यक्ष छगाराम सांखला, प्रभुराम सांखला, मुकेश सुंदेशा, सुरेश सुंदेशा, अधिवक्ता रमेश सोलंकी जालोर, सांवला राम सांखला जालोर, महेन्द्र गहलोत जालोर, प्रवीण कुमार आहोर, नव नियुक्त पार्षद सी एल गहलोत, सीए जितेन्द्र सुंदेशा मुकेश सुंदेशा, डॉ. प्रेमराज परमार, रणजीत परमार, भभूताराम परमार सहित सैकड़ों समाज बंधु उपस्थिति थे।

माली समाज राजनीति के साथ साथ शिक्षा में क्षेत्र में भी हमेशा आगे रहे है: गहलोत

भीनमाल। स्थानीय क्षेमकरी माता तलहटी स्थित माली समाज भवन में माली समाज युवा संस्थान द्वारा माली समाज के प्रतिभाशाली अधिकारियों एवं नव चयनित आरएएस का सम्मान समारोह आयोजि किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कांग्रेस के युवा नेता राजेश गहलोत थे। अध्यक्षता पूर्व जिला एवं सेशन न्यायधीश भलाराम परमार ने की। वहीं हरीशचंद्र गहलोत, अशोक कच्छवाहा, रामेश्वर भाटी, भंवरलाल माली, कमलेश गहलोत बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहें।

अतिथियों ने समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस दौरान मुख्य अतिथि राजेश गहलोत ने कहा कि माली समाज के प्रतिभाशाली अधिकारियों व नव चयनित आरएएस युवाओं का आभार जिन्होंने दिन रात मेहनत करके सफलता हासिल की है। गहलोत ने समाज के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे आने का आव्हान करते हुए कहा कि माली समाज राजनीतिक क्षेत्र के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहता है। चयनित आरएएस पृथ्वीराज परमार ने कहा कि शिक्षा कोमहत्व को देखते हुए इसे और अधिक व्यापक बनाने की आवश्यकता है। शिक्षा का जन जन तक फैलाने के लिए तीव्र प्रयासों की आवश्यकता है। पूर्व जिला सेशन न्यायधीश भलाराम परमार ने कहा कि शिक्षा किसी समाज में सदैव चलने वाली वह सोद्देश्य सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान एवं कला-कौशल में वृद्धि तथा व्यवहार परिवर्तन किया जाता है और इस प्रकार उसे सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है। मनोनीत पार्षद सी एल गहलोत का राजेश गहलोत व अतिथियों द्वारा साफा पहनाकर स्वागत किया गया। सचिव मुकेश सुंदेशा ने माली समाज संस्थान के उद्देश्य तथा कार्य क्षेत्र के बारे में जानकारी देकर प्रतिवेदन पेश किया। इस अवसर पर कोरोना महामारी के दौरान सहयोग करने वाले समाज बंधुओं का भी स्वागत किया गया। अध्यक्ष किशोर सांखला ने सभी अतिथियों व समाज बंधुओं का आभार प्रकट किया। इस दौरान पूर्व पालिका अध्यक्ष जी एम परमार, भारता राम सुंदेशा, भंवर लाल सोलंकी, मांगीलाल गहलोत, भाजपा नगर अध्यक्ष महेन्द्र सोलंकी, महेन्द्र परमार, कपूर गहलोत, डॉ. प्रेमराज परमार, पार्षद प्रतिनिधि जितेन्द्र माली, ओमप्रकाश सांखला, ओमप्रकाश सुंदेशा, पारसमल सांखला, बाबुलाल परमार, सतीश सुंदेशा, सुरेश सोलंकी, वचनाराम सुंदेशा, भीरू ग्रुप के भंवरलाल सोलंकी, हंजारीमल परमार, सुरेश परमार सहित कई समाजबंधु मौजूद रहे।

इस आयोजन में माली समाज भीनमाल के अलावा आस पास के क्षेत्रों से समाज के सैकड़ों समाज बंधुओं ने भाग लिया। आयोजन समिति की ओर से सभी पधारें मेहमानों एवं लोगों का कोविड गाइडलाइन पालना करने पर आभार व्यक्त किया।

चंचल के जन्मदिन पर सेनेटरी नेपकिन मशीन भेंट

जोधपुर। बैंक अधिकारी मुकेश राज गहलोत की सुपुत्री सुश्री चंचल गहलोत के जन्मदिन के अवसर पर श्री सुमेर महिला महाविद्यालय में सेनेटरी नेपकिन डिस्पेंसर मशीन भेंट कर अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर संस्था के सचिव जसवंत सिंह कच्छवाहा, प्राचार्य गजेन्द्र टाक एवं परिवार के सदस्यों के साथ संस्था के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सभी ने नन्हीं बच्ची चंचल के के द्वारा अपने जन्मदिवस पर की गई सार्थक पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए उसे बधाई प्रेषित कर अभिनंदन किया। हम सभी चंचल को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एक शुभकामनाओं के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं करते है। चंचल एव उनके पिता मुकेश गहलोत का इस सेवा कार्य के लिये बारम्बार आभार अभिनंदन। मुकेश राज गहलोत स्वयं वर्षो से समय समय पर जन हितार्थ सेवा कार्यो से सैकड़ों लोगों को लाभान्वित कर चुके है।

दिमाग को किसी भी परिस्थिति से बदलाव में लगते हैं 20 मिनट मेडिटेशन एक्सरसाइज इतनी देर करेंगे तभी मिलेगा पूरा फायदा – हिमांशी गहलोत

अपने पिता तुल्य ससुर जननायक अशोक गहलोत के पदचिन्हों पर चलते हुए समाजसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वाली, विशेष रूप से कैन्सर और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों की सेवा में समर्पित भाव से सेवा कार्य करने वाली हँसमुख और सरल स्वभाव की धनी, युवा महिलाओं की प्रेरणास्रोत श्रीमती हिमांशी गहलोत धर्मपत्नी वैभव गहलोत के द्वारा मेडिटेशन और एक्सरसाइज के माध्यम से स्वस्थ रहने हेतु जानकारी से सभी को लाभान्वित किया। ज्ञात रहे श्रीमती हिमांशी गहलोत साइक्लोजिस्ट है और साथ ही इनेवेटिव हेल्पिंग हैड की डायरेक्टर भी है।

जोधपुर। कोरोना ने हमारे जीवन, सोच और बिजनेस को काफी प्रभावित किया है। कई लोग इस निराशाजनक समय के रूप में देख रहे हैं। धीरे-धीरे बाजार खुलने लगे हैं और स्थितियां नॉर्मल होने लगी हैं। हालांकि अभी भी परिस्थितियां पूरी तरह ठीक नहीं हैं लेकिन हम सबको मिलकर एक बार फिर उसी ऊर्जा से, उसी जज्बे से फिर से शुरूआत करनी ही होगी। ऐसे निराशाजनक माहौल से बाहर निकलने में मांइडफुलनेस टेक्निक्स कैसे उपयोगी हो सकती है बता रही हैं इन्वेंटिव हेल्पिंग हेंड की डायरेक्टर और साइकोलॉजिस्ट

श्रीमती हिमांशी गहलोत....

एक्सपर्ट कहते है कि लोग अपने बुरे अनुभवों को स्वीकार करने से हिचकते है जबकि वे जीवन का अहम हिस्सा होते है।यहीं कारण है कि जब कोई उस फैलियर या नुकसान की बात करता है तो वे वहां से दूर भाग जाना चाहते है, उसका सामना करने से बचते है। अभी के हालात भी कमोबेश ऐसे ही है। इस परिस्थिति से बाहर निकलने में माइंडफुलनैस एक्सरासाइज उपयोगी साबित हो सकती है। मांइडफुलनेस का मतलब है कि हर समय अपने विचारों, भावनाओं, संवेदनाओं और आसपास के माहौल के प्रति संवेदाओं और आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहना। जब इसकी प्रेक्टिस करते है तो हम भविष्य की चिंताओं और भूतकाल की घटनाओं से प्रभावित होने की बजाएं वर्तमान में जीना सीखते है। इसकी प्रेक्टिस से न केवल जीवन में नया उत्साह आ जाता है बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी खुद को मजबूत बनाए रख सकते है। यही कारण है कि माइंडफुलनेस मेडिटेशन को अब साइकोलॉजी के साथ बिहेवियर थैरेपी से जोड़ा जा रहा है। यह मेंटल हेल्थ के साथ फिजिकल हेल्थ के लिए भी कारगर है। इससे स्ट्रेस दूर होता है और नींद अच्छी आती है वहीं हार्ट डिसीज, लो ब्लड प्रेशर में भी फायदा मिलता है। माइंडफुलनेस मेडिटेशन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप इसे जितना ज्यादा करोगे, यह उतना ही ज्यादा फायदेमंद है। एक्सपर्ट का मानना है कि दिमाग को किसी भी परिस्थिति से निकलने में कम से कम 20 मिनट लगते है तो जब परेशान हो, आत्मविश्वास की कमी हो, निराश हो, स्ट्रेस में हो, नींद नहीं आ रही हो तो ये आसान एक्सरसाइज कर सकते है। यदि आप तैयार है तो इसके लिए पूरी तरह गंभीर हो खुद से कमिटमेंट कर लीजिए कि रोज कम से कम 15 से 20 मिनट यह करना ही है। सबसे अहम यह है कि अगर आप इमोशंस को पहचान लेगे तो इन एक्सरसाइज से नेगेटिव इमोशन दूर करना असान हो जाएगा। यह एक्सरसाइज रोजमर्रा के कामकाज मे दौरान, पढ़ाई, परीक्षा, इंटरव्यू यो सोने के वक्त भी की जा सकती है।

यह है वह एक्सरसाइज

एक मेंटल एक्सपर्ट के तौर पर मैनें अपने कई सेशन में ये टैक्निक्स कराई और यह मेरे लिए भी काफी उपयोगी साबित हुई है। नेगेटिव विचार आ रहे हो तो उन्हें दूर करने के लिए यह काफी आसान टेक्निक है। इसमें सांस लेना, रोकना और छोड़ना और फिर 3 मिनट का ब्रीदिंग स्पेस देना है।

- आराम से बैठ जाएं।
- एक लंबी गहरी सांस लें।
- 5 सेकंड तक रोकें फिर मुंह से छोड़ें।
- ऐसा 10-15 बार करें।

नवलगढ़ समाज द्वारा 51 हजार राशि का वितरण

नवलगढ़। सैनी समाज संस्था,नवलगढ द्वारा समाज के विशेष जरूरतमंद होनहार विद्यार्थियों,कन्या विवाह व कोरोना आपदायिक पीड़ित हेतु सहायतार्थ 51,200 रुपये की राशि के चेक वितरित किये गये। सैनी छात्रावास में सैनी समाज संस्था कार्यकारणी सदस्यों की मीटिंग सुबह 10 बजे संस्था अध्यक्ष गजानन्द सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ-साथ प्रमुख रूप से संस्था द्वारा समय-समय पर समाज कल्याण कोष में से विशेष जरूरतमंद विद्यार्थियों, कन्या विवाह व अन्य आपदायिक पीड़ा में हर सम्भव मदद की जाती रही है इसी सन्दर्भ में प्राप्त निवेदनों पर विचार विमर्श कर सहयोग राशि की स्वीकृति हेतु संस्था द्वारा गठित 'समाज कल्याण कोष समिति' के द्वारा प्राप्त सुझाव अनुसार सहायता राशि का निर्धारण कर 51,200 रुपये के चौक वितरित किये गये।

इस अवसर पर संस्था द्वारा विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्लासेज के जल्द शुभारंभ के लिए आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर जल्द से जल्द ऑन लाइन क्लासेज शुरू करने का निर्णय लिया गया तथा आगामी 15 अगस्त पर संस्था कार्यकारिणी के चुनाव को देखते हुए संस्था के आय व्यय खातों की जांच के लिये सुनील कुमार सैनी लेखाकार महिला कॉलेज नवलगढ़ को ऑडिटर नियुक्त किया गया व 15 अगस्त पर होने वाले चुनाव को देखते हुए नये सदस्य जुड़ने के लिए अंतिम तिथि 10 अगस्त 2021 तय की गई कि अगर समाज का कोई व्यक्ति संस्था चुनाव में भाग लेना चाहता है तो उसे 10 अगस्त तक संस्था में आजीवन सदस्यता लेनी होगी। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष गजानन्द सैनी, संस्था महामंत्री डॉ विनोद कुमार सैनी, पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, पूर्व अध्यक्ष दुर्गाराम सैनी, मनीराम सांखला, मुरली मनोहर चोबदार, पूर्णमल सैनी, मूलचन्द सैनी पूर्व एक्सईएन, पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजकुमार सैनी, अटल बिहारी, गजेंद्र खडोलिया, सुभाष चोबदार सहित अनेक समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

सच्चे मन से सेवा समझकर किया गया कोई भी काम छोटा नहीं होता– पुष्पा सैनी

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले में समाज की महिलाओं का एक ऐसा ग्रुप जो नि:स्वार्थ भाव से समाज के लड़के लड़कियों के शादी के रिश्तें ढूढ़ने के लिए काम कर रहा है। हां हम बात कर रहे है शादी रिश्ते संस्कार महिला ग्रुप की। आज समाज में शादियों को लेकर कितनी परेशानियां है अभिभावकों के सामने किसी को दुल्हन नही मिल रही तो किसी को दूल्हा नहीं मिल रहा है। शादी डॉट कॉम सहित कई प्लेटफॉर्म हे पर वहां जो रिश्ते होते है वो अनजान रिश्ते होते है। उसके लिए भी मोटी रकम अभिभावकों से वसूलते है। समाजों में हालात ऐसी है कि युवक युवतियों के अनुकूल रिश्ते नही मिल पाने के कारण आधी उम्र निकल जाती है ये समस्या आज के दौर में हर समाज में है।

इस पर अजमेर की ही एम महिला आर्थिक परिशानियों के बावजूद सेवा का ऐसा जज्बा परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए लोगों के लिए रिश्ते तलाशने का स्वयं ने प्रयास शुरू किया।

अजमेर में रहने वाली माली समाज की समाजसेविका श्रीमती पुष्पा सैनी की पुष्पा सैनी ने बताया कि जब इस तरह की समस्या मेरे सामने आई तो मैनें ठानी की मैं नि:शुल्क लोगों को रिश्तें बनाने के लिए काम करूंगी। इस तरह सैनी ने अपने आस पास रिश्तेदारों के वाट्सएप नंबर लेना शुरू किया। लोगों से बॉयोडाटा मांगना भेजना शुरू किया। इस काम को करते आज उनका नेटवर्क महाराष्ट्र, बंगाल, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, मुंबई, मध्यप्रदेश, हरियाणा सहित देश भर तक पहुंच गया। आज उनके द्वारा सैकड़ों रिश्ते कराए गए है। जब भी ऐसे लोगों के कोई भी शुभ कार्य होता है तो पुष्पा सैनी को भी आमंत्रण दिया जाता है।

पुष्पा सैनी ने बताया कि कोई भी काम छोटा नहीं होता, बस ईमानदारी से लोगों की सेवा करते रहे। काम बड़ा अपने आप होता चला जाता है। आज मुझे मेरे काम से देश भर के लोग जानते है ये भी बहुत बड़ी बात है मेरे लिए। पुष्पा सैनी के सेवा कार्यो से प्रभावित होकर वर्तमान में शादी रिश्तें संस्कार ग्रुप में श्रीमती पुषा सैनी के साथ, अर्चना अजमेरा, श्रीमती बबीता टाक, श्रीमती लक्ष्मी तुनवाल, श्रीमती बीना साँखला, श्रीमती सुषमा साँखला, श्रीमती सरोज कच्छवाहा, श्रीमती संपत भाटी, श्रीमती हर्षा, सुमन टाक सैनी सहित अजमेर की कई महिलाएं साथ में सहयोग कर रही है।

आज समाज की महिलाओं द्वारा भी समाज के लोगों के लिए विशेषकर सामाजिक सम्मेलनों एवं मातृ शक्ति को होने वाली तकलीफों से सीख लेते हुए ऐसे संगठन को बना अभिभावकों को पूरे देश में घर बैठे योग्य वर वधु के चुनाव के लिए अनेकों सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शादी रिश्ते संस्कार महिला ग्रुप अजमेर की सभी महिलाओं का आभार एवं अभिनंदन, आपने अपने घरेलु दायित्वों के साथ सामाजिक जागरूकता के लिए यह क्रांतिकारी कदम उठाया है।

पुष्पा सैनी, अध्यक्ष

अर्चना सैनी, महासचिव

बबीता सैनी, कोषाध्यक्ष

हर्ष सैनी, सचिव

शादी रिश्तें महिला संस्कार ग्रुप की मातृशक्ति

राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड महिला विंग राजस्थान की गूगल मीट

रविवार 4 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड महिला विंग राजस्थान की प्रदेश प्रभारी द्वारा महिला जिला अध्यक्षों तथा प्रभारियों की बैठक गूगल मीट पर ली गई। बैठक में सभी जिला प्रभारियों ने टीम द्वारा किए गए कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा जिला अध्यक्षों ने आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। सीकर जिला प्रभारी मैना सैनी ने बताया कि दहेज प्रथा के खिलाफ हमने मोर्चा संभाल रखा है जिसकी शुरुआत उन्होंने स्वयं तथा स्वयं के परिवार से की और अब पूरी कोशिश है कि कोई परिवार ना दहेज ले ना दे। वही श्रीगंगानगर जिला अध्यक्ष पार्वती तंवर ने बताया कि महिलाएं पारिवारिक बंदिशों के चलते चाहते हुए भी कुछ कर नही पा रही। इसके लिए हमे पहले उनके परिवार की सोच को विकसित करनी पड़ेगी तभी समाज की महिलाएं स्वयं की उन्नति के साथ साथ समाज को भी आगे बढ़ा पाएगी।

इसी कड़ी में बीकानेर जिला अध्यक्ष ललिता गहलोत ने भविष्य की योजनाओं में सबसे पहले मृत्यु भोज बंद कराने की मुहिम को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि वे स्वयं के घर से इसकी शुरुआत करते हुए एक संकल्प अभियान चलाएंगी जिसमे महिला विंग सहित समाज के सभी बुद्धिजीवियों को मृत्युभोज ना करने ना उसमे शामिल होने का संकल्प करवाया जायेगा। बीकानेर जिला प्रभारी डॉ अर्चना तंवर ने गत समय हुए सभी कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इन्होंने कार्यों में आने वाली समस्याओं से भी प्रदेश प्रभारी ज्ञानेश्वरी चौहान को अवगत कराया। जिस पर चौहान द्वारा समस्या समाधान प्रस्तुत कर हमेशा उनके सहयोग, मार्गदर्शन हेतु स्वयं के उपलब्ध रहने का आश्वासन दिया साथ ही उनके द्वारा किए सामाजिक कार्यों तथा प्रयासों के लिए उनके नेतृत्व की प्रशंसा भी की साथ ही भविष्य की योजनाएं सुचारू रूप से संचालित होने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अच्छा नेतृत्व वो होता है जो सोयो को जगा दे, जागो को चला दे और स्वयं का उदाहरण पेश करें।

अंत में चौहान ने सभी को मासिक ऑनलाइन टीम मीटिंग लेने का निर्देश दिया और आशा जताई कि वर्तमान से भी दुगुनी सफलता आप सभी के सहयोग से हम प्राप्त करेंगे और समाज को नई दिशाधारा देने के साथ साथ समाज की बहनों की स्तिथि में भी सुधार लाने का और प्रयास करेंगे।।

माली सैनी सेना, ब्यावर महिला मोर्चा का विस्तार

ब्यावर। माली सेना ब्यावर द्वारा जिलाध्यक्ष किशन देवड़ा के निर्देशानुसार महिला मोर्चा की अध्यक्षा मंजू गहलोत ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए उपाध्यक्ष पद पर शालिनी सांखला, सावित्री सांखला एवं महामंत्री पद पर रंजना चौहान की नियुक्ति की।

केसरी नंदन गार्डन में आयोजित कार्यक्रम का संचालन माली सेना संस्थापक दिनेश माली ने किया। महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजू गहलोत ने आगामी आयोजनों के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर माली सेना ब्यावर के पूर्व अध्यक्ष लोकेश परिहार ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी एवं मां सावित्री बाई फूले व नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। महिला मोर्चा उपाध्यक्ष बिस्वा चौहान व शालिनी सांखला ने समाज के निर्धन बच्चों के लिए नि:शुल्क कोचिंग की घोषणा की तो उपाध्यक्ष सावित्री सांखला ने माली समाज की महिलाओं के लिए नि:शुल्क योग सिखाने की घोषणा के साथ ही रेखा पालड़िया व रंजना चौहान ने सावित्री बाई फूले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए नारी सशक्तिकरण की बात कही। अंत में माली सैनी जिला अध्यक्ष किशन देवड़ा ने सभी का आभार प्रकट किया।

संतोष सांखला 9252067133 9414359805
नेमीचंद सांखला 9529551444
आ. पी. तंवर 9414117306

तंवर मार्बल
मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)
E-Mail : marbletanwar@gmail.com
शोरूम : सैनी कॉम्पलैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

हार्दिक बधाईयां

युधिष्ठर देवड़ा को जोधपुर स्टोन पार्क इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की आम सभा में सर्व सहमति से अध्यक्ष और ज्योति प्रकाश सांखला को महासचिव नियुक्त किया।

युवा छात्र नेता मनीष सैनी चूरू जिला NSUI का जिलाध्यक्ष नियुक्त

संजीव सैनी को दिल्ली सरकार के पिछड़ा वर्ग आयोग का मुख्य सलाहकार नियुक्त व साथ ही आम आदमी पार्टी द्वारा चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र का अध्यक्ष भी नियुक्त किया।

श्रीमती कुसुमलता परिहार के लॉयन्स क्लब जोधपुर मातृशक्ति की अध्यक्षा नियुक्त

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य) , सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडनूं
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री मदन जी कच्छवाहा, जोधपुर
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपपुर

माली सैनी सन्देश

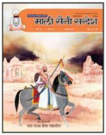

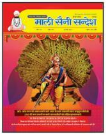

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 600/- | **5 वर्ष रू. 1,500/-** | **आजीवन रू. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई–मेल ____________

ग्राम ________ पोस्ट ________ तहसील ________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अत: मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-
INNER COLOR	
Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर कॉम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज के 271वें जन्मोत्सव पर भीरु ग्रुप द्वारा 395 छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

हार्दिक बधाईयां

श्रीमति सीमा समृद्धि कुशवाहा
विश्व की
प्रतिभावान महिलाओं की
लिस्ट में 6वां स्थान प्राप्त हुआ है।
निर्भया का केस लड़ने वाली
सुप्रीम कोर्ट की
वकील सीमा समृद्धि कुशवाह
को विश्व की प्रतिभावान महिलाओं
की लिस्ट में 6 वें स्थान पर
आने पर हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं।
आपने अपनी
कार्यकुशलता एवं
सेवा कार्यो से समाज के
साथ देश को गौरवान्वित किया है
हमें आप पर गर्व है।

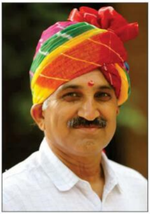

राजस्थान शिक्षा विभाग
के शिक्षाविद , प्रेरक,
मार्गदर्शक ,अनुभवी , विद्वान ,
मिलनसार एवं
सरल स्वभाव के धनी
श्रीमान प्रेमचंद जी सांखला
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
जोधपुर से पदोन्नत
होकर संयुक्त निदेशक
(स्कूल शिक्षा विभाग
जोधपुर संभाग)
जोधपुर संभाग बनने पर
कोटि कोटि बधाइयां
एवं उज्जवल भविष्य
की शुभकामनाएं।

दिल्ली केशोपुर से
निगम पार्षद
श्रीमती स्वेता सैनी
को MCD West Zone
की चेयरमैन बनने
पर हार्दिक बधाई
और शुभकामनाएं

शुभकामनाओं सहित ....

माली सैनी सन्देश

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR